

होना; खून के आँसू रोना- अत्यंत दुखी होना; खून का प्यासा- बंध का इच्छुक/जानी दुश्मन; खून सूखना- अत्यंत भयभीत होना; खून सफेद होना- करुण रहित हो जाना; खून बहना- किसी के लिए प्राण तक देने पर उतारू होना; खून सिर चढ़ना- किसी को मारने के लिए उद्यत होना; खून का घूँट पीना- गुस्सा सह लेना; खून का जोश- वंश या कुल का प्रेम; खून पीना- बहुत सताना, मार डालना।

**खून खराबा** पुं. (फा.) 1. मारकाट 2. एक प्रकार की वार्निश जो लकड़ी पर की जाती है।

**खूनी** वि. (फा.) 1. खून करने वाला, कातिल, क्रूर, जालिम 2. खून संबंधी, खून का, जैसे खूनी बवासीर।

**खूब** वि. (फा.) अच्छा, भला, उमदा, उत्तम, बढ़िया, अच्छी तरह, बहुत 2. साधुवाद, वाह, वाह खूब।

**खूबकलॉ** स्त्री. (फा.) एक तरह की घास जिसके बीज दवा के काम आते हैं।

**खूबसूरत** वि. (फा.) सुंदर, रूपवान प्रयो. ताजमहल बहुत ही खूबसूरत इमारत है।

**खूबसूरती** स्त्री. (फा.) सुंदरता जैसे- तीन-चार सौ साल बीत जाने के बाद भी ताजमहल की खूबसूरती आज भी बरकरार है।

**खूबानी** स्त्री. (फा.) एक प्रसिद्ध मेवा, जरदालू।

**खूबी** स्त्री. (फा.) 1. भलाई, अच्छाई, अच्छापन 2. गुण, विशेषता, विलक्षणता।

**खूरन** स्त्री. (तद्.) हाथी के पैरों के नाखून का एक रोग।

**खूसट** पुं. (देश.) उल्लू, घुग्घू।

**खूँटीय** वि. (अर.) ईसा संबंधी, ईसा का, ईसाई, मसीही।

**खेकसा** पुं. (देश.) 1. परवल के आकार का एक फल जो तरकारी के काम आता है, ककोड़ा 2. एक तरह की सफेद धारी जैसे चिह्न जो युवावस्था में मनुष्य के पेट, जाँघ आदि पर प्रायः दिखाई देती है।

**खेचर** वि. (तत्.) आकाश में चलने वाला, आकाशचारी पुं. (तत्.) 1. सूर्य, चंद्रमा आदि ग्रह 2. तारागण 3. वायु 4. देवता 5. विमान 6. पक्षी 7. बादल 8. भूत-प्रेत 9. राक्षस 10. शिव 11. पारा 12. कसीस, तूतिया।

**खेचरान्न** पुं. (तत्.) खिचड़ी, चावल से बना एक व्यंजन।

**खेचरी** गुटिका स्त्री. (तत्.) तंत्र के अनुसार एक प्रकार की योगसिद्ध गोली जिसे मुँह में रखने से आकाश में उड़ने की शक्ति आ जाती है।

**खेचरी** स्त्री. (तत्.) 1. आकाशचारिणी 2. परी 3. दुर्गा 4. आकाश में उड़ने की विद्या या शक्ति।

**खेचरी मुद्रा** स्त्री. (तत्.) 1. योगसाधना की एक मुद्रा जिसमें जीभ उलटकर तालु से लगाई जाती है और दृष्टि त्रिकुटी पर स्थापित की जाती है इस स्थिति में चित्त और जीभ दोनों ही आकाश में स्थित रहते हैं 2. तंत्र के अनुसार एक प्रकार की मुद्रा जिसमें दोनों हाथों को एक दूसरे पर लपेट लेते हैं।

**खेट** पुं. (तत्.) 1. किसानों की बस्ती, खेड़ा 2. घास 3. घोड़ा 4. मृगया, शिकार, आखेट 5. कफ 6. ढाल 7. लाठी, छड़ी 8. चमड़ा 9. एक प्रकार का अस्त्र 10. ग्रह, नक्षत्र आदि 11. नीच, अधम 12. तिनका 13. बलराम की गदा।

**खेटकी** पुं. (तत्.) 1. ज्योतिषी 2. भंडोरिया 3. शिकारी।

**खेटितान** पुं. (तत्.) 1. वैतालिक, चारण 2. गीत वाद्य के द्वारा स्वामी को जगाने वाला बंदीजन।

**खेटी** वि. (तत्.) 1. चरित्रहीन, दुर्बल चरित्रवाला 2. गाँव में रहने वाला 3. नागरिक 4. वैतालिक, चारण।

**खेड़ा** पुं. (देश.) 1. छोटा गाँव 2. कच्चा मकान 3. कबूतरों, चिड़ियों आदि को खिलाया जाने वाला रद्दी अन्न।

**खेड़ापति** पुं. (देश.) 1. गांव का मुखिया, पुरोहित।

**खेड़ी** स्त्री. (देश.) एक तरह का इस्पात, लोहा।

**खेत** पुं. (तद्.) वह भूखंड जो जोतने, बोने और फसल उत्पन्न करने योग्य हो, जोतने-बोने की